

अंगहीन वि. (तत्.) 1. किसी अंग से हीन, विकलांग 2. पूजा-अध्ययन आदि के किसी अंग से रहित 3. पूजनादि से रहित, साधन रहित 4. कामदेव, अनंग।

अंगांगिभाव पुं. (तत्.) 1. शरीर और उसके किसी अंग के संबंध का भाव 2. किसी वस्तु के अंश का संपूर्ण वस्तु के साथ संबंध का भाव।

अंगाधिप पुं. (तत्.) 1. अंग देश (वर्तमान बिहार के भागलपुर और उसके समीप का क्षेत्र) का राजा अंगराज 2. कर्ण (अंगनरेश) 3. जन्म लग्न का स्वामी ग्रह, लग्नेश (ज्योति)।

अंगाधीश पुं. (तत्.) अंगाधिप।

अंगार/अंगारा पुं. (तद्.) (बहु. अंगारे) जलता हुआ कोयला या लकड़ी का टुकड़ा मुहा. अंगारे उगलना- क्रोध में जली-कटी बातें कहना, बहुत जोश में भरकर भाषण देना; अंगारे बरसना- अत्यंत गर्मी होना, दैवीय आपत्ति आना; अंगारों पर पैर रखना- जान-बूझकर जोखिम का काम करना; अंगारों पर लोटना- क्रोध या ईर्ष्या से जलना; अंगार होना- क्रोध में मुख का लाल हो जाना, आग-बबूला होना।

अंगारक पुं. (तत्.) 1. अंगारा 2. मंगल ग्रह 3. चिनगारी 4. औष. भृंगराज 5. रसा. कार्बन तत्व।

अंगारक चतुर्थी स्त्री. (तत्.) किसी भी मास के मंगलवार को पड़ने वाली चतुर्थी तिथि, अक्षय चतुर्थी।

अंगारधानिका स्त्री. अंगार रखने का बर्तन, अंगीठी, अग्निपात्र।

अंगारधानी स्त्री. (तत्.) अंगीठी, अग्निपात्र।

अंगारपुष्प पुं. (तत्.) हिंगेट, इंगुदी का वृक्ष जिसके फूल अंगारों की तरह लाल होते हैं।

अंगारमणि पुं. (तत्.) एक रत्न मूंगा, विद्रुम।

अंगारा पुं. (तत्.) लाल अंगारे जैसा, क्रोध से लाल अंगारा आँखें।

अंगारिका स्त्री. (तत्.) 1. अंगीठी 2. किंशुक, पलाश की कली।

अंगारित वि. (तत्.) 1. जलाया हुआ 2. भूना हुआ 3. अधजला 4. किंशुक, पलाश की कली।

अंगारिशी स्त्री. (तत्.) 1. अंगीठी 2. अस्त हुए सूर्य की लाली से रंगी हुई दिशा।

अंगारी स्त्री. (तत्.) 1. छोटा अंगारा, चिनगारी 2. अंगारों या कंडों पर तैयार की जाने वाली बाटी 3. सूर्य आदि द्वारा तपाया हुआ, तप्त 4. बोरसी।

अंगिका स्त्री. (तत्.) 1. चोली, कंचुकी 2. अंग देश (आधुनिक बिहार के भागलपुर के आसपास के क्षेत्र) की बोलचाल की भाषा।

अंगिक्रिया स्त्री. (अंग-क्रिया) (तत्.) शरीर में उबटन आदि मलना।

अंगिया स्त्री. (तत्.) चोली, कंचुकी, अंगिका।

अंगिरा पुं. (तत्.) 1. देवगुरु बृहस्पति 2. साठ संवत्सरों में से छठे नंबर का संवत्सर।

अंगी वि. (तत्.) 1. अंगों वाला 2. मुख्य, प्रधान 3. शरीरधारी, देहयुक्त।

अंगीकरण पुं. (तत्.) स्वीकार करने अर्थात् अपना लेने की क्रिया या भाव।

अंगीकार पुं. (तत्.) अपना अंग बना लेने, स्वीकार/मंजूर करने, ग्रहण करने की क्रिया या भाव।

अंगीकृत वि. (तत्.) अंगीकार या स्वीकार किया हुआ।

अंगीकृति स्त्री. (तत्.) अंगीकरण, अपनाना, स्वीकार।

अंगीठा पुं. (तत्.) दे. आग रखने का बर्तन, बड़ी अंगीठी, बड़ी बोरसी।

अंगीठी स्त्री. (तद्.) आग रखने का बर्तन, बोरसी।

अंगीभाव पुं. (तत्.) काव्य. किसी काव्य, नाटक का प्रधान भाव।